M–225

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय –नाटक एवं काव्येतर गद्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. 'अंधेर नगरी' नाटक किसने लिखा है ?
2. 'एक कंठ विषपायी' गीति–नाट्य किसने लिखा है ?
3. 'घुमक्कड़शास्त्र' के रचनाकार कौन हैं ?
4. महादेवी वर्मा ड्डत 'भाभी' रेखाचित्र है या संस्मरण ?
5. 'अशोक के फूल' निबंध किसने लिखा ?
6. 'आवारा मसीहा' किस साहित्यकार की जीवनी है ?
7. हिंदी का प्रथम एकांकी किसे माना जाता है ?
8. पंचम वेद किस साहित्य विधा को माना गया है ?

खण्ड–ब

9. नाटक के तत्वों के नाम लिखिए।
10. आत्मकथा और जीवनी में अंतर स्पष्ट कीजिए।
11. प्रसाद युग के नाटकों की तीन विशेषताएँ लिखिए।
12. 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' के कथ्य पर प्रकाश डालिए।
13. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का परिचय दीजिए।
14. 'अंधा युग' की पात्र 'गांधारी' का परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. हिन्दी नाटक के विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।
16. 'आधे अधूरे' में व्यक्त मध्यवर्गीय परिवार की किन समस्याओं को व्यक्त किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।
17. 'आवारा मसीहा' में प्रयुक्त शिल्प पर प्रकाश डालिए।
18. फीचर लेखन और रिपोर्ताज पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. प्रसाद के प्रमुख नाटकों का परिचय दीजिए।
20. 'आधे–अधूरे' नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।
21. 'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था' निबंध का सार लिखिए।
22. 'एक दुराशा' निबंध का मुख्य प्रतिपाद्य बताइए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. 'चंद्रगुप्त' नाटक में प्रस्तुत ऐतिहासिक और काल्पनिक घटनाओं को स्पष्ट कीजिए।
24. ललित निबंध के रूप में 'अशोक के फूल' की विशेषताओं को समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–226

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय –कथा साहित्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. "उपन्यास निश्चित आकार वाला गद्य रूप आख्यान है।" परिभाषा किसने दी है ?
2. हिन्दी में मनोवैज्ञानिक उपन्यासों का सूत्रपात किस उपन्यास से माना जाता है ?
3. 'अपने–अपने अजनबी' उपन्यास के लेखक का नाम लिखिए।
4. अज्ञेय को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से डी. लिट्. की उपाधि किस सन् में प्राप्त हुई ?
5. 'मित्रो मरजानी' की नायिका का नाम लिखिए।
6. डुष्णा सोबती के उस उपन्यास का नाम लिखिए जिसमें भ्रष्टाचार, चापलूसी और रिश्वतखोरी का जीवन चित्रण किया है।
7. प्रेमचंद के अंतिम उपन्यास का नाम लिखिए।
8. नाटक 'प्रायश्चित' के लेखक का नाम लिखिए।

खण्ड–ब

9. कथाकाल के आधार पर उपन्यास के प्रकारों के नाम लिखिए।
10. उपन्यास शब्द की व्युत्पत्तिपरक व्याख्या कीजिए।
11. फ्रायड की विचारधारा को लिखिए।
12. पाँच मनोविश्लेषणवादी उपन्यासों के नाम लिखिए।
13. 'मित्रो मरजानी' की मूल संवेदना को लिखिए।
14. कहानी की परिभाषा लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. उपन्यास की परिभाषा देते हुए इसके स्वरूप का परिचय दीजिए।
16. अज्ञेय की औपन्यासिक दृष्टि पर प्रकाश डालिए।
17. 'ऐ लड़की' उपन्यास के उद्देश्यों को प्रकाशित कीजिए।
18. ऊषा प्रियंवदा का साहित्यिक परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. उपन्यास के उद्‌भवकाल की परिस्थितियों की विवेचना कीजिए।
20. 'शेखर : एक जीवनी' की बहुस्तरीय संवेदना को वखणत कीजिए।
21. 'मधुआ' कहानी की भाषा पर निबंध लिखिए।
22. 'सिक्का बदल गया' कहानी की समीक्षा कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. "प्रेमचंद ने अपने उपन्यासों के चरित्र जन–जीवन से लिए है"। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
24. "अज्ञेय कृत उपन्यास 'शेखर : एक जीवनी' एक व्यक्ति प्रधान मनोवैज्ञानिक उपन्यास है"। इस कथन की व्याख्या करते हुए औपन्यासिक तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–227

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय –भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. शासक–शासित सम्बन्ध के अनुसार राजा का विलोम क्या होगा ?
2. 'विभीषण' किसका प्रतीक है ?
3. अर्थ की दृष्टि से शब्दों के कितने भेद हैं ? और उनके क्या नाम हैं ?
4. 'महाभाष्य' किसकी रचना है ?
5. पूर्वी हिन्दी के अंतर्गत आने वाली बोलियों के नाम लिखिए।
6. मध्यकालीन आर्य भाषा की समय सीमा लिखिए।
7. अशोक के समय कौन–सी लिपि प्रचलित थी ?
8. "उसने देखा कि सारा घर अस्त–व्यस्त पड़ा है।" यह किस प्रकार के वाक्य का उदाहरण है ?

खण्ड–ब

9. कामता प्रसाद गुरु ने भाषा को परिभाषित करते हुए क्या कहा है ?
10. भाषा विज्ञान के अध्ययन से क्या लाभ हैं ? किन्हीं तीन का जिक्र कीजिए।
11. अर्थसंकोच से क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए।
12. छत्तीसगढ़ी बोली का विस्तार क्षेत्र कहाँ तक है ?
13. राजभाषा किसे कहते हैं ? समझाइए।
14. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान क्या है ? समझाइए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. भाषा की विशेषताएँ लिखिए।
16. स्वनिम एवं उपस्वन में क्या अंतर है ?
17. रूपिम की विशेषताएँ लिखिए।
18. वाक्य परिवर्तन के पहलुओं की चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. अर्थबोध के साधनों की विवेचना कीजिए।
20. लिपि सुधार हेतु किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।
21. बोली से आप क्या समझते हैं ? लिखिए।
22. 'प्राड्डत' शब्द की व्युत्पत्ति को रेखांकित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा की विस्तृत विवेचना कीजिए।
24. भाषा शिक्षण का आशय स्पष्ट करते हुए भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियों का वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–228

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय –आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. भवानीप्रसाद मिश्र किस सप्तक के कवि हैं ?
2. 'मंजीर' किस कवि की कृति है ?
3. 'खूँटियों पर टँगे लोग' किसकी कृति है ?
4. अशोक वाजपेयी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
5. 'जल है जहाँ' किस कवि की डुति है ?
6. सोहनलाल द्विवेदी का जन्म सन् लिखिए।
7. 'बन्द न करना द्वार' गीतिकाव्य के रचयिता कौन हैं ?
8. 'गीत पळरोश' किसकी कृति है ?

खण्ड–ब

9. मुक्तिबोध की काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए।
10. गिरिजाकुमार माथुर के ड्डतित्व का परिचय दीजिए।
11. अशोक वाजपेयी के काव्य की शिल्पगत विशेषता बताइये।
12. वीरेन्द्र मिश्र के गीतों की मूल ;मुख्यद्ध संवेदना को स्पष्ट कीजिए।
13. नयी कविता के नामकरण पर प्रकाश डालिए।
14. हिन्दी के प्रमुख नवगीतकारों के नाम लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. मुक्तिबोध की कविता 'भूल–गलती' की समीक्षा कीजिए।
16. नयी कविता के क्षेत्र में गिरिजाकुमार माथुर का स्थान निर्धारित कीजिए।
17. नंदकिशोर आचार्य के काव्य की शिल्पगत विवेचना कीजिए।
18. रमानाथ अवस्थी की गीत संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. 'महाप्रस्थान' खण्ड काव्य में समकालीन संदर्भों की किस प्रकार अभिव्यक्ति हुई है ?
20. नंदकिशोर आचार्य के काव्य के अभिव्यक्ति पक्ष की विवेचना कीजिए।
21. हिन्दी गीतिकाव्य परंपरा में गिरिजाकुमार का योगदान स्पष्ट कीजिए।
22. बालस्वरूप राही के गीतों के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. प्रयोगवादी और नयी कविता में क्या पार्थक्य है ? स्पष्ट कीजिए।
24. भवानीप्रसाद मिश्र के प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

5. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
6. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
7. **सत्रांत परोक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
8. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**